



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड—3 उप-खण्ड (ii)
PART II—Section—3 Sub-Section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 100

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 2, 1979/फाल्गुन 11, 1900

No. 100

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 2, 1979/PHALGUNA 11, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

समाज कल्याण विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1979

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 के मामले में

और

राष्ट्रीय बाल निधि, नई दिल्ली के मामले में

का० भा० 120(अ) :—भारत सरकार के शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय, समाज कल्याण विभाग के सचिव ने, जिनकी यह प्रस्थापना है कि राष्ट्रीय बाल निधि, नई दिल्ली की निधियों, पूर्ण प्रयोजनों के लिए न्यायसतः प्रयुक्त की जाएं, आवेदन किया है कि इससे उपायधन अनुसूची क में वर्णित निधियां भारत के पूर्व विन्यास कोषपाल में निहित की जाएं और उक्त निधियों के प्रशासन के लिए एक स्कीम तय की जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 4 और 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और यथा पूर्वोक्त आवेदन पर, तथा भारत सरकार के शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय, समाज कल्याण विभाग के सचिव की सहमति से आदेश करती है कि इससे उपायधन अनुसूची क में उपवर्णित धन, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से, भारत के पूर्व विन्यास कोषपाल में निहित होना और कोषपाल तथा उसके पद उत्तरवर्ती उस धन और और उससे होते वाली प्राय को उक्त निधि के प्रशासन के लिए उस न्याय और उसमें उपायधन अनुसूची ख में उपवर्णित स्कीम में उल्लिखित निबंधनों के अनुसार धारण करेंगे,

और यह अधिसूचित किया जाता है कि इससे उपायधन अनुसूची ख में उपवर्णित स्कीम, उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त निधियों के प्रशासन के लिए तय कर दी गई है और उक्त अधिनियम की उक्त धारा 5 की उपधारा (3) के अधीन यह और आदेश किया जाता है कि यह स्कीम तुरन्त प्रवृत्त होगी।

अनुसूची 'क'

राष्ट्रीय बाल निधि की निधियों में भारत सरकार द्वारा किया गया एक लाख रुपए का अभिघात।

अनुसूची 'ख'

राष्ट्रीय बाल निधि, नई दिल्ली के प्रशासन के लिए स्कीम।

1. राष्ट्रीय बाल निधि (जिसे इसमें इसके पश्चात् निधि कहा गया है) के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे, अर्थात् :—

(i) बालकों के कल्याण कार्यक्रमों की, जिसके अन्तर्गत निराश्रित बालकों, विशेषतः विधालय-पूर्व आयु के बालकों का पुनर्वास भी है, कार्यान्वित करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के स्वेच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान देने के लिए निधि की निधियों का प्रशासन करना और उन्हें प्रयुक्त करना।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के बालकों के कल्याण कार्यक्रमों पर पूर्वोक्त से विचार किया जाएगा,

(ii) अन्य सभी ऐसे कार्य करना, जो उपर्युक्त उद्देश्यों के आनुषंगिक और माध्यक हों।

2. निधि के उद्देश्यों का विस्तार जम्मू-कश्मीर राज्य को छोड़कर समस्त भारत पर होगा।

3. निधि के निधियों के प्रबंध और प्रशासन के लिए एक प्रबंध बोर्ड (जिसे इसमें इसके पश्चात् बोर्ड कहा गया है) गठित किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:—

- | | |
|---|-------------------|
| (क) केन्द्रीय शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री | अध्यक्ष (पदेन) |
| (ख) केन्द्रीय शिक्षा और समाज कल्याण राज्य मंत्री | कार्यकारी अध्यक्ष |
| (ग) संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार | सदस्य |
| (घ) सचिव, समाज कल्याण विभाग, भारत सरकार | सदस्य |
| (ङ) निदेशक, राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास संस्थान | सदस्य |
| (च) अध्यक्ष, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली | सदस्य |
| (छ) छह प्रशासकीय सदस्य, जिन्हें अध्यक्ष नामनिर्दिष्ट करेगा | |
| (ज) संयुक्त सचिव (पोषण और बाल विकास), सचिव-कोषपाल समाज कल्याण विभाग, भारत सरकार | |

4. कम से कम मातृ सदस्यों से गणपूर्ति होगी। प्रत्येक विषय का अवधारण उपस्थित तथा संबंधित प्रश्न पर मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से किया जाएगा। मत बराबर होने की वशा में सभापति का मत निर्णायक मत होगा।

5. बोर्ड, अपने गठन में कोई रिक्ति होने पर भी कार्य कर सकेगा।

6. इसमें अन्तर्लिखित उपबंधों के अधीन रहते हुए, बोर्ड अपने कार्य संचालन के लिए नियम बना सकेगा और समय-समय पर उनमें ऐसे परिवर्तन कर सकेगा जैसे वह ठीक समझे।

7. निधि की निधियां, भारत के पूर्व विन्यास के कोषपाल में निहित होंगी।

8. (1) बोर्ड निधि की निधियों के विनिधान, प्रबंध और उनके निष्पादन से संबंधित किसी अन्य प्रयोजन के लिए नियम बना सकेगा।

(2) बोर्ड सम्पत्ति के बिक्रय या अन्य व्ययन के आगमों को और ऐसे धन और सम्पत्ति को भी, जिसका उपयोग निधि के उद्देश्यों के लिए तुरंत अपेक्षित नहीं है, न्यास धन के विनिधान के लिए विधि द्वारा तत्समय प्राधिकृत विनिधान के ढंगों में से किसी एक या अधिक में, जो बोर्ड उचित समझे, विनिहित करेगा।

9. बोर्ड भारत में प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के लिए एक कार्यकारिणी समिति और ऐसे अधिकारी तथा कर्मचारी नियुक्त कर सकेगा जैसे वह आवश्यक समझे।

10. बोर्ड राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की बाबत गठित कार्यकारिणी समितियों में से किसी को या उनके निकाय के किसी एक या अधिक सदस्यों की अपनी शक्तियों में से किसी का प्रत्यायोजन कर सकेगा।

11. बोर्ड, अपनी शक्तियों में से ऐसी शक्तियों का भी, जो बोर्ड की राय में अनुसूचीय कार्यमात्र हैं, और जो विवेकाश्रित नहीं हैं या जो आवश्यक हैं और सामान्य प्रथा के अनुकूल हैं, सदस्यों में से एक या अधिक को प्रत्यायोजन कर सकेगा।

12. निधि के धन का नियमित लेखा सचिव-कोषपाल रखेगा।

13. सभी सचिवों और हस्तान्तरण पत्र बोर्ड के नाम में होंगे और उसकी ओर से उन पर कम से कम एक सदस्य या सचिव-कोषपाल हस्ताक्षर करेगा।

14. बोर्ड निधि के किसी उद्देश्य और सामान्य प्रयोजन के संबंधितार्थ कोई विन्यास, दान या अन्य अभिदाय प्राप्त कर सकेगा। वह चौरात से संबंधित किसी ऐसे विशेष प्रयोजनों के लिए, जो इस स्कीम के उपबंधों में असंगत नहीं या उसके सम्यक् कार्य चालन में बाधा डालने वाले न हों, विन्यास, दान या अन्य अभिदाय भी प्राप्त कर सकेगा।

राष्ट्रीय बाल-निधि नई दिल्ली के प्रशासन के लिए नियम

केन्द्रीय सरकार, तारीख 3 मार्च, 1979 की अधिसूचना सं०----- की अनुसूची ख के पैरा 6 के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय बाल-निधि के प्रबंध-बोर्ड के काम-काज के संचालन के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. सज्जित नाम:—इन नियमों का नाम राष्ट्रीय बाल-निधि प्रशासन नियम, 1979 है।

2. जब तक कि कोई बात, तारीख 2 मार्च, 1979 की अधिसूचना सं०----- (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) की अनुसूची 'ख' में अधिस्थित राष्ट्रीय बाल-निधि प्रशासन स्कीम के विषय या मर्म के विरुद्ध न हो,—

(क) "निधि" से, राष्ट्रीय बाल-निधि, नई दिल्ली अभिप्रेत होगी,

(ख) "बोर्ड" से, उक्त अधिसूचना की अनुसूची ख के पैरा 3 के अनुसरण में निधि के प्रशासन के लिए गठित प्रबंध-बोर्ड अभिप्रेत है,

(ग) "सचिव-कोषपाल" से, बोर्ड का सचिव-कोषपाल अभिप्रेत है।

(घ) "वर्ष" से, 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

3. निधि के लिए प्राधिकारी:—निधि के प्रबंध और प्रशासन के लिए उक्त अधिसूचना की अनुसूची ख के पैरा 3 में उपदर्शित रीति में एक बोर्ड का गठन किया जाएगा जिसकी शक्तियां और कृत्य वे होंगे जो उक्त अनुसूची में अधिस्थित हैं।

4. सदस्यता की अवधि:—(1) बोर्ड का मान निर्दिष्ट सदस्य दो वर्ष की अवधि तक पद पर रहेगा।

(2) यदि बोर्ड के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है या वह सदस्यता से त्यागपत्र दे देता है, या विरुक्त चित्त या दिवालिया हो जाता है अथवा नैतिक अधमता वाले किसी दण्डित अपराध के लिए सिद्धरोष किया जाता है तो वह ऐसा सदस्य नहीं रह जाएगा।

(3) सदस्यता से त्यागपत्र, बोर्ड के अध्यक्ष को दिया जाएगा और वह स्वीकार किए जाने की तारीख से या त्यागपत्र की तारीख के पञ्चादस दिन भीत जाने पर, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, प्रभावी होगा।

5. बोर्ड में रिक्तियां:—बोर्ड में रिक्तियां उसी रीति से भरी जाएंगी जिस रीति से कि मूलतः बोर्ड का गठन हुआ था।

6. बोर्ड के अधिवेशन:—अनिधि के कामकाज के सफलतापूर्वक के लिए जितनी आवश्यकता होगी, बोर्ड का अधिवेशन होगा किन्तु ऐसा अधिवेशन वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगा।

7. बोर्ड के सचिव-कोषपाल की शक्तियां और कृत्य:—सचिव-कोषपाल के निम्नलिखित कर्तव्य होंगे, अर्थात्:—

(क) बोर्ड के सभी अभिलेखों की अभिरक्षा में रखना,

(ख) बोर्ड की ओर से शासकीय पत्र-व्योहार करेगा,

(ग) बोर्ड के अधिवेशन के आयोजित करने के लिए सभी सूचनाएं निकायना,

- (घ) बोर्ड और ऐसे निकायों के अधिवेशनों का कार्यवृत्त रखना जिनके अधिवेशन आयोजित करने का उत्तरदायित्व उस पर है,
- (ङ) निधि की संपत्तियों और निधियों का प्रबंध करना, लेखा रखना और बोर्ड की ओर से सभी सविदाओं का निष्पादन करना, और
- (च) सभी अन्य गतिवृत्तों का प्रयोग और ऐसे अन्य कृत्यों का पालन करना जो समय-समय पर बोर्ड द्वारा उसे समनुविष्ट किए जाएं।

8. निधि की प्राप्ति—(1) निधि के अन्तर्गत, ऐसी धनराशियों के अतिरिक्त जिनकी विशिष्टता उस अधिसूचना की अनुसूची क में दी गई है, ऐसे सभी, आवर्ती या अनावर्ती अनुदान और अभिदाय हैं जो केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों द्वारा स्थापित किसी कानूनी या गैर-कानूनी निकायों से किसी भी समय प्राप्त होने हैं तथा इसके अन्तर्गत किसी अन्य स्रोत से प्राप्त स्वेच्छिक अनुदान और वित्तियोग भी हैं।

(2) निधि की सभी प्राप्ति, निधि के बोर्ड में निहित होगी।

9. निधियों का आवंटन—बोर्ड, समय-समय पर, अपने धनराशि और धन निधियों का वह अनुपात अवधारित कर सकेगा, जो किसी विशिष्ट वर्ष में निधि के प्रयोजनों के लिए खर्च किया जाएगा।

10. निधियों का निष्प्रेषण—निधि की समस्त धनराशि आरम्भतः निधि के बोर्ड के ऐसे खाने में जमा की जाएगी जो भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी शाखा में या भारत सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अनुसूचित बैंक में खोला जाएगा।

11. निधियों का निकाला जाना—निधि के बोर्ड के खाने से निधियों के निकाले जाने का विनियमन ऐसी रीति में किया जाएगा जो बोर्ड अवधारित करे। रकमें बैंकों या मांगपत्रियों द्वारा निकाली जाएगी। यदि इस प्रकार निकाली जाने वाली रकम एक हजार रुपए से अधिक नहीं है तो ऐसी बैंक या पक्ष पर हस्ताक्षर, सचिव-कोषपाल करेगा और अन्य दस्तावेजों में सचिव-कोषपाल तथा बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट कोई अन्य सदस्य करेगा।

12. प्रशासनिक व्यय—बोर्ड द्वारा उपगत प्रशासनिक खर्च, जैसे बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन और भत्ते तथा यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते पर तथा सदस्यों के यात्रा भत्ते तथा दैनिक भत्ते पर उपगत व्यय, बाल-निधि की निधियों पर वित्तियोग प्रसार होगा।

13. कर्मचारियों की नियुक्ति—बोर्ड उतने कर्मचारी नियुक्त कर सकेगा जितने वह अपने कृत्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक समझे। कर्मचारियों की सेवा के निबन्धन और शर्तें ऐसी होंगी जो बोर्ड अवधारित करे।

14. सदस्यों और अधिकारियों को पारिश्रमिक—(1) बोर्ड के किसी सदस्य को, बोर्ड द्वारा अवधारित की गई दर पर, यात्रा-भत्ते और दैनिक भत्ते से भिन्न कोई पारिश्रमिक संवत् नहीं किया जाएगा।

(2) बोर्ड के शासकीय सदस्य, अनुज्ञेय दर पर यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता उसी स्रोत से प्राप्त करेंगे जिससे वे अपने वेतन प्राप्त करते हैं।

(3) निधि के अधिकारी और कर्मचारी ऐसा पारिश्रमिक और यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता प्राप्त कर सकेंगे, जिनके वे, उन्हें लागू होने वाले नियमों के अधीन, हकदार हैं।

15. लेखा और लेखा परीक्षा—निधि के समस्त धन और संपत्तियों तथा आय और व्यय का नियमित लेखा रखा जाएगा और उसकी लेखा-परीक्षा किसी चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट फर्म या ऐसे अन्य मान्यताप्राप्त प्राधिकारियों द्वारा की जाएगी, जो बोर्ड नियुक्त करे। लेखापरीक्षक यह भी

प्रमाणित करेंगे कि बाल-निधि की निधियों से व्यय, निधि के उद्देश्यों के अनुसार ठीक ढंग से किया गया है।

निधि के वार्षिक लेखा की लेखापरीक्षा द्वारा सम्यक्, लेखापरीक्षक और प्रमाणित प्रतियां, प्रति वर्ष, निधि के सचिव-कोषपाल द्वारा भारत सरकार को प्रस्तुत की जाएगी।

16. वार्षिक रिपोर्ट—निधि के कार्यक्रम की बाबत एक वार्षिक रिपोर्ट बोर्ड के सचिव-कोषपाल द्वारा तैयार की जाएगी और बोर्ड के अनुदान के पश्चात् भारत सरकार को, प्रस्तुत की जाएगी।

17. निरसन और व्याप्ति—उक्त अधिसूचना की अनुसूची ख में अधिकृत रीति में निधि का स्कीम की संप्रदेश के अधीन रहने हुए, बोर्ड को, जब उसकी राय में ऐसा करना समीचीन हो, इन नियमों में से किसी को या सबको निर्गम, संशोधन या पुनर्गठित करने की शक्ति होगी।

[सं 4-7/78-सी डब्ल्यू]

एम०एम० राजेन्द्र सचिव सचिव

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd March, 1979

IN THE MATTER OF CHARITABLE ENDOWMENTS ACT, 1890

AND

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

S.O. 120(E).—Whereas the Secretary to the Government of India, Ministry of Education, Social Welfare and Culture, Department of Social Welfare, being the person who proposes to apply the funds of the National Children's Fund New Delhi, in trust for charitable purposes, has applied for vesting the funds mentioned in Schedule A annexed hereto in the Treasurer of Charitable Endowments for India and for the settlement of a scheme for the administration of the said funds;

Now, therefore, the Central Government in exercise of the powers conferred by sections 4 and 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), and upon the application as aforesaid, and with the concurrence of the Secretary to the Government of India, Ministry of Education, Social Welfare and Culture, Department of Social Welfare, do hereby order that the moneys set out in Schedule A annexed hereto shall, as from the date of publication of this notification, be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in office upon trust to hold the said moneys and the income thereof in accordance with the trust and terms set out in the Scheme set forth in Schedule B, annexed hereto for the administration of the said funds;

And it is hereby notified that the Scheme set forth in Schedule B annexed hereto has, under sub-section (1) of section 5 of the said Act been settled for the administration of the said funds and under sub-section (3) of the said section 5 of the said Act, it is hereby further ordered that it shall come into force with immediate effect.

SCHEDULE 'A'

Contribution of Rupees one lakh made by the Government of India towards the funds of the National Children's Fund.

SCHEDULE 'B'

Scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi.

1. The objects of the National Children's Fund (hereinafter referred to as the Fund) shall be :—

- (i) to administer and apply the funds of the Fund to pay grants-in-aid to voluntary organisations of National State, and District level, to implement programmes for the welfare of children, including rehabilitation of destitute children, Particularly pre-school age children.

Programmes for welfare of children belonging to Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other backward classes will receive priority consideration;

- (ii) to do all other things that are incidental and conducive to the above objects

2. The objectives of the Fund shall extend to the whole of India except the State of Jammu and Kashmir.

3. For the management and administration of the funds of the Fund, a Board of Management (hereinafter referred to as the Board) shall be constituted consisting of the following members, namely :—

(a) Union Minister of Education and Social Welfare	Chairman (Ex-officio)
(b) Union Minister of State for Education and Social Welfare	Working Chairman
(c) Joint Secretary, Ministry of Finance, Government of India	Member
(d) Secretary, Department of Social Welfare, Government of India	Member
(e) Director, National Institute of Public Co-operation and Child Development	Member
(f) Chairman, Central Social Welfare Board, New Delhi	Member
(g) Six non-official Members to be nominated by the Chairman	
(h) Joint Secretary (Nutrition and Child Development), Department of Social Welfare, Government of India	Secretary-Treasurer

4. Not less than seven members shall form a quorum. Every matter shall be determined by a majority of votes of the members present and voting on question. In case of equality of votes, the Chairman shall have a casting vote.

5. The Board may function notwithstanding any vacancy in its constitution.

6. Subject to the provisions herein contained the Board may frame, and vary, from time to time, as they think fit, rules for the conduct of their business. Provided that the Central Government shall make the first rules for the conduct of business of the Board.

7. The funds of the Fund shall be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India.

8. (1) The Board may make Rules for the regulation, management, and for any other purpose connected with the execution of the funds of the Fund.

(2) The Board shall invest the proceeds of the sale or other disposal of the property as well as any moneys or property not immediately required to be used for the objects of the Fund in any one or more of the modes of investment for the time being authorised by law for the investment of the trust moneys as the Board may think proper.

9. The Board may appoint a working committee for each State/Union territory in India and such officers and staff as they may consider necessary.

10. The Board may delegate any of their powers to any of the Working Committees constituted in respect of the State/Union Territories or any one or more members of their body

11. The Board may also delegate to one or more of the members such of their powers as may in the opinion of the Board, are merely ministerial acts and involve no discretion or are necessary and conformable to common usage.

12. Regular accounts of the moneys in the funds shall be kept by the Secretary-Treasurer.

13. All contracts and other assurances shall be in the name of the Board and signed on their behalf by at least one of the members or Secretary-Treasurer.

14. The Board may receive any endowment, donation, or other contributions in augmentation of any of the objects and general purpose of the Fund. They may also receive endowments, donations, or other contributions for any special purposes connected with the charity not inconsistent with or calculated to impede the due working of, the provisions of this Scheme.

RULES FOR THE ADMINISTRATION OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

In pursuance of the powers conferred by the proviso to para 6 of the Schedule B of the notification no. dated 2nd March, 1978, the Central Government makes the following rules for the conduct of business of the Board of Management of the National Children's Fund:

1. Short title.—These rules may be called the Administration of the National Children's Fund Rules, 1979.

2. Definitions.—Unless there is anything repugnant to the subject or the context of the scheme for the administration of National Children's Fund, as laid down in Schedule B to Notification No., dated the day of (hereinafter referred to as the said notification)—

- "Fund" shall mean the National Children's Fund New Delhi;
- "Board" shall mean the Board of Management constituted for the administration of the Fund in pursuance of paragraph 3 of Schedule B to the said notification;
- "Secretary-Treasurer" shall mean the Secretary-Treasurer of the Board;
- "year" shall mean the financial year ending on the 31st March.

3. Authorities of the Fund.—For the management and administration of the Fund, a Board, as set out in paragraph 3 of Schedule B to the said notification, shall be constituted with powers and functions as laid down in the said Schedule.

4. Duration of Membership.—(1) A nominated member of the Board shall hold office for a period of two years.

(2) A member of the Board shall cease to be a member if he dies, resigns his membership or becomes of unsound mind or insolvent or is convicted of a criminal offence involving moral turpitude.

(3) The resignation of membership shall be tendered to the Chairman of the Board and shall become effective from the date of its acceptance or on the expiry of thirty days after the date of resignation, whichever is earlier.

5. Vacancies on the Board.—Vacancies on the Board shall be filled in the manner in which the Board was originally constituted.

6. Meetings of the Board.—The Board shall meet as often as it is necessary to do so for the transaction of business of the fund but in any case at least once a year.

7. Powers and Functions of Secretary-Treasurer of the Board.—It shall be the duty of the Secretary-Treasurer

- to be the custodian of all records of the Board;
- to conduct the official correspondence on behalf of the Board;
- to issue all notices for convening the meetings of the Board;
- to keep minutes of all meetings of the Board and of such bodies the responsibilities for convening whose meetings rests with him;

(e) to manage the properties and funds of the Fund, to maintain accounts and execute all contracts on behalf of the Board; and

(f) to exercise all other powers and execute such other functions as may be assigned to him by the Board from time to time.

8. Assets of the Fund.—(1) In addition to the moneys, particulars of which are given in Schedule A to the said notification, the assets of the Fund shall include all such grants and contributions recurring and non-recurring from the Central and State Governments, local bodies or any other statutory or non-statutory bodies set up by the Central or the State Governments as well as voluntary donations and endowments from any other sources, whenever received.

(2) All assets of the Fund shall vest in the Board of the Fund.

9. Allocation of funds.—The Board may, from time to time, determine the proportion of the total funds at its disposal which shall be applied for the purpose of the Fund in a particular year.

10. Deposit of funds.—All moneys of the Fund shall be credited initially to the account of the Board of the Fund to be opened in the State Bank of India or any of its subsidiaries or any other Scheduled Bank approved in this behalf by the Government of India.

11. Withdrawal of funds.—Withdrawal of funds from the accounts of the Board of the Fund shall be regulated in a manner to be determined by the Board. Such withdrawals shall be made by cheques or requisitions (as the case may be) signed by the Secretary-Treasurer. In case of amounts not exceeding rupees one thousand and signed duly by the Secretary-Treasurer and another member of the Board to be nominated by the Board in other cases.

12. Administrative expenses.—Administrative expenses incurred by the Board, such as expenditure incurred on salaries and allowances and T.A. and D.A. of their officers and staff and T.A. and D.A. of the members, shall be a legitimate charge on the funds of the Fund.

13. Appointment of staff.—The Board may appoint such staff as they may consider necessary for the discharge of their functions.

The terms and conditions of service of the staff may be determined by the Board.

14. Remuneration to members and officers.—(1) No remuneration shall be paid to any of the members of the Board except travelling and daily allowance at rates to be determined by the Board.

(2) Official members of the Board will draw travelling and daily allowance at the rates admissible to them from the source from which they draw their salaries.

(3) Officers and staff of the Fund may draw such remuneration and T.A. and D.A. to which they may be entitled under rules applicable to them.

15. Accounts and Audit.—Regular account shall be kept of all moneys and properties and of incomes and expenditure of the Fund and shall be audited by a firm of Chartered Accountant or any other recognised authorities as may be appointed by the Board. The auditors shall also certify that the expenditure from the funds of the Fund has been correctly incurred in accordance with the objects of the Fund.

Copies of the annual accounts of the Fund duly audited and certified by the auditor shall be submitted by the Secretary-Treasurer of the Fund to the Government of India every year.

16. Annual Report.—An Annual Report on the working of the Fund shall be prepared by the Secretary-Treasurer of the Board and shall, after approval of the Board, be presented to the Government of India.

17. Repeal and Saving.—The Board shall, within the framework of the scheme of the Fund, as laid down in Schedule B to the said notification, have full powers to repeal, amend or revise any or all of these rules whenever, in the opinion of the Board, it is expedient to do so.

[No. 4-7/78-CW]

M. M. RAJENDRAN, Jt. Secy.

